UNIVERSITY OF CAMBRIDGE

ORIENTAL STUDIES TRIPOS Part II

South Asian Studies

Tuesday 2 June 2009 09.00 – 12.00

SA.17 HINDI TEXTS, 4

Candidates should translate ***all*** *Hindi passages into English and answer* ***TWO*** *out of the four essay questions. All passages are* ***seen****.*

Write your number ***not*** *your name on the cover sheet of* ***each*** *Answer Book.*

STATIONERY REQUIREMENTS
20 Page Answer Book x 1
Rough Work Pad

You may not start to read the questions printed on the subsequent pages of this question paper until instructed that you may do so by the Invigilator.

1. Translate the following passage into **English**:

कृपाचार्य. बैठो,
इधर बैठो वत्स
हम सब हैं साथ तुम्हारे
इस प्रतिहिंसा में
किन्तु यदि छिप कर आक्रमण के सिवा
कोई दूसरा पथ निकल आये ।

अश्वत्थामा. दूसरा पथ !
पांडवों ने क्या कोई दूसरा पथ छोड़ा है ?
पांडवों की मर्यादा
मैंने आज देखी द्वन्द्वयुद्ध में,
कैसे अधर्मयुक्त वार से
दुर्योधन को नीचे गिरा दिया भीम ने :
टूटी जाँघों, टूटी कोहनी, टूटी गर्दन वाले
दुर्योधन के माथे पर रख कर पाँव
पूरा बोझ डाले हुए भीम ने
बाँहें फैला कर पशुवत् घोर नाद किया
कैसे दुर्योधन की दोनों कनपटियों पर
दो-दो नसें सहसा फूलीं और फूट गयीं
कैसे होठ खिंच आये
टूटी हुई जाँघों में एक बार हरकत हुई
आँखें खो
दुर्योधन ने देखा,
अपनी प्रजाओं को ।

कृपाचार्य. बस करो अश्वत्थामा
शायद तुम्हारा ही पथ
एक मात्र सम्भव पथ है ।

DHARAMVIR BHARTI, *Andha Yug,* p. 51

(15 marks)

2. Translate the following passage into **English**:

कुछ देर तक मैं वहाँ चुपचाप खड़ा रहा। मेरे मन में अचानक बाबू के प्रति भीगी-भीगी-सी सहानुभूति उमड़ने लगी। माँ के संग मेरा सम्बन्ध अधिक सहज और सीधा था। बाबू के संग जो संकोच और तनाव रहता है, वह माँ के संग बिल्कुल नहीं है। वह कोई भी प्रतिवाद किये बिना मेरी हर फरमायश को चुपचाप मान लेती हैं–किन्तु इतना सब करने पर भी वह मुझसे हमेशा दूर रहती हैं, कभी न मिटनेवाला एक अलगाव बनाये रखती हैं। उनके सामने मुझे लगता है कि मैं एक बहुत ही छोटा, बेडौल और निरर्थक-सा प्राणी बन गया हूँ। किन्तु बाबू की बात दूसरी है। मैं उनसे डरता हूँ, कोई भी फरमायश करते समय मेरा दिल धड़कने लगता है, कभी खुलकर उनसे मैंने अपने मन की बात नहीं की–इसके बावजूद वह मुझे अपने अधिक निकट और जाने-पहचाने लगते हैं। कुछ ऐसा है, जो हम दोनों को माँ से अलग कर देता है, इसीलिए माँ को चाहते हुए भी उन पर कभी सहानुभूति नहीं होती और बाबू से डरते हुए भी उन्हें देखकर कभी-कभी मेरे भीतर कुछ रुआँसा हो जाता है।

बाबू ने पीछे मुड़कर मुझे देखा और एकटक देखते रहे। मुझे लगा जैसे वह कुछ देर के लिए मेरी उपस्थिति बिल्कुल भूल गये थे और अब सहसा मुझे अपने सम्मुख देखकर समझ न पा रहे हों कि मैं कौन हूँ, उनके कमरे में कैसे खड़ा हूँ।

मैं कमरे से बाहर चला आया। कुछ देर तक बड़े कमरे की दीवार से सटकर बाबू के कमरे की देहरी पर खड़ा रहा। सोचा था, बाबू बाहर आकर मुझसे कुछ कहेंगे, किन्तु यह मेरा भ्रम था। उनके कमरे में सिर्फ सन्नाटा था – एक घना गहरा-सा सन्नाटा जो हमारे सारे घर पर घिर आया था।

और तब उस क्षण मुझे लगा कि मैं बहुत अकेला हूँ, बाबू भी अपने में बहुत अकेले हैं। माँ के बिना हर कमरा साँय-साँय सा करता प्रतीत होता है।

मैं दीवार से सटकर आँखें मूँद लेता हूँ।

NIRMAL VERMA, *Andhere Mem*, pp. 47-48

(20 marks)

(TURN OVER)

3. Translate the following passage into **English**:

वकील साहिब ने कहे गए के पीछे झाँकने की कोशिश की, फिर ग़ैर-ज़रूरी समझकर महक को ही आजू-बाजू से निहारने लगे। छज्जेवाली टीन की छत पर बारिश का पानी लगातार शोर करता रहा। मेंह के इस लबालब बहते हुए शोर को कृपानारायण अपने अन्दर सुनने लगे। तौबा ! क्या आवाज़ है ! बरसते पानी के तमाम उछाल जैसे जिस्म में आ उगे हों। मेंह है। शोर है। बरसात है। रात है। महक है। तेज़ हवाओं ने जैसे अन्दर के झुरमुट को अपनी गिरफ़्त में ले लिया हो।

कृपानारायण साँस रोके जैसे किसी इन्तज़ार में बैठे हों।

महक ने बीच में पसरी ख़ामोशी को पलटा देने को कहा—बला की सरदी है। कहें तो इलायचीवाली कश्मीरी पत्ती बना लाएँ।

वकील साहिब हँसने लगे—जानम, आपको भी यह शौक़ चर्राया ! एक जगह तो ऐसी रहने दीजिए जहाँ पहुँचकर कुछ देर को रोज़मर्रा की 'स्थायी' भूल जाएं।

महक बानो ने वकील साहिब के चेहरे पर नज़र फिराई तो किसी छिपी बेगानगी ने सर उठा लिया। शोख़ी से कहा—आप तो साहिबे-नज़र हैं, पर यह सोचना तो कुछ सही न हुआ। गुस्ताख़ी माफ़, घर-गृहस्थी की क़ीमत तो बेघरों, डेरेदारों, और सराय में रहनेवालों से पूछिए। घर की दहलीज़ लाँघने को बिचारे क्या से क्या कर डालें।

सहसा कृपानारायण की आँखों के आगे महक की माँ नसीम बानो आन खड़ी हुई तो बदन में झुरझुरी-सी उठ आई।

—जानम, घर के दरवाज़ों के पीछे हमेशा मोती-मरकत के अम्बार नहीं हुआ करते। वहाँ बहुत-कुछ तो ख़ानापूरी के तहत ही होता रहता है।

KRISHNA SOBTI, *Dil-O-Danish*, pp. 15-16

(15 marks)

4. Translate the following passage into **English**:

दो वस्तुओं का अन्तर सदैव ही उनकी श्रेष्ठता और हीनता का द्योतक नहीं होता, यह मनुष्य प्राय: भूल जाता है । नारी ने भी यही चिरपरिचित भ्रान्ति अपनाई । मनोवैज्ञानिक दृष्टि से, शारीरिक विकास के विचार से और सामाजिक जीवन की व्यवस्था से स्त्री और पुरुष में विशेष अन्तर रहा है और भविष्य में भी रहेगा, परन्तु यह मानसिक या शारीरिक भेद न किसी की श्रेष्ठता का प्रतिपादन करता है और न किसी की हीनता का विज्ञापन करता है । स्त्री ने स्पष्ट कारणों के अभाव में इस अन्तर को विशेष त्रुटि समझा केवल यही सत्य नहीं है, वरन् यह भी मानना होगा कि उसने सामाजिक अन्तर का कारण ढूँढ़ने के लिए स्त्रीत्व को क्षत-विक्षत कर डाला ।

उसने निश्चय किया कि वह उस भावुकता को आमूल नष्ट कर डालेगी, जिसका आश्रय लेकर पुरुष उसे रमणी समझता है, उस गृह-बन्धन को छिन्न-भिन्न कर देगी जिसकी सीमा ने उसे पुरुष की भार्या बना दिया है और उस कोमलता का नाम भी न रहने देगी जिसके कारण उसे बाह्य जगत् के कठोर संघर्ष से बचने के लिए पुरुष के निकट रक्षणीय होना पड़ा है । स्त्री ने सामूहिक रूप से जितना पुरुष जाति को दिया उतना उससे पाया नहीं, यह निर्विवाद सिद्ध है, पर इस आदान-प्रदान की विषमता के मूल में स्त्री और पुरुष की प्रकृति भी कार्य करती है, यह न भूलना चाहिए । स्त्री अत्यधिक त्याग केवल इसलिए नहीं करती; अत्यधिक सहनशील केवल इसलिए नहीं होती कि पुरुष उसे हीन समझ कर इसके लिए बाध्य करता है । यदि हम ध्यान से देखेंगे तो ज्ञात होगा कि उसे ये गुण मातृत्व की पूर्ति के लिए प्रकृति से मिले हैं ।

MAHADEVI VERMA, *Aadhunik Naari*, pp. 43-44

(20 marks)

(TURN OVER)

5. Write short essays in **English** on **two** of the following: (15 marks each)

(a) What is the role of 'silence' in the narrative in Nirmal Verma's *Andhere Mem*?

(b) How would you describe Mahadevi Verma's version of feminism?

(c) Compare the tone Mahak Bano uses when addressing Vakil Sahab to the tone used by Kutumb Pyari in Krishna Sobti's *Dil-O-Danish*. What does this tell us about these women's respective relationships to Vakil Sahab?

(d) What is the significance of the title of Dharamvir Bharti's famous drama *Andha Yug*?

END OF PAPER